Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

Department of Hindi

A) A Summary Report of the Activity

1) Title of Programme:		अतिथि व्याख्यान – आज़ादी का अमृत मोहत्सव –हिंदी में रोजगार की संभावनाए		
2) Name of Organizing Department/Unit:		हिंदी विभाग		
3) Name of the Coordinator(s)/ Convener(s)/ Organizer(s) of the Programme:		डॉ. पल्लवी पाटील तथा हिंदी विभाग		
4) Date(s) of the Programme:		०८ .०९.२०२१		
5) Venue/Mode:		ऑनलाइन झूम माध्यम		
6) Target Group:		बी ए ., बी कॉम ., बी . एस्सी		
7) Number of Participants:		Male	Female	Total
A separate list with signatures be maintained in the department/Unit)	Teaching	०६	०२	०८
	Non-Teaching			
	Students	४९	९५	१४४
8) Name(s) and details of Resource Person(s), if any:		डॉ. अलोक रंजन पाण्डेय , रामानुजन कॉलेज , दिल्ली		
9) Total Expenditure for the Programme:		--		
10) Source of Funding:		--		

B) A Report

i. Title - अतिथि व्याख्यान – आज़ादी का अमृत मोहत्सव – हिंदी में रोजगार की संभावनाए

ii. Introduction

आज़ादी का अमृत मोहत्सव –हिंदी में रोजगार की संभावनाए इस विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन ०८ सितंबर २०२१ को सुबह ११:०० बजे ऑनलाइन झूम माध्यम से लिया गया. इस व्याख्यान में १५२ प्रतिभागी सम्मिलित हुए . प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. अलोक रंजन पाण्डेय , रामानुजन कॉलेज , दिल्ली से उपस्थित थे। अध्यक्ष के रूप में प्राचार्य डॉ महादेव गव्हाने सर उपस्थित थे ।

iii. Objectives of the Programme/ issues addressed

आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही है। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है।भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है। राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान संबंधी पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध होंगी। हिन्दी भाषा के माध्यम से शिक्षित युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें, इस दिशा में निरंतर प्रयास भी जरूरी है।

iv. Details of Participants

हिंदी विभाग की ओर से आज़ादी का अमृत मोहत्सव के उपलक्ष्य में 'हिंदी में रोजगार की संभावनाएं ' इस विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस व्याख्यान के लिए कुल मिलाकर १५२ प्रतिभागी उपस्थित थे . जिसमें विभाग के एवं अन्य महाविद्यालय से ०८ अध्यापक (महिला ०२ पुरुष ०६) उपस्थित थे और १४४ छात्र (४९ पुरुष ९५ महिला) भी उपस्थित थे ।

v. Brief Summary of Events/ Sessions

०८ सितंबर २०२१को हिंदी विभाग की ओर से "आज़ादी का अमृत महोस्तव - हिंदी में रोजगार की संभावनाएं " इस विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप मेंडॉ. अलोक रंजन पांडे,हिंदी विभाग रामानुजन कॉलेज, दिल्ली से उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावणा विभागाध्यक्षा डॉ पल्लवी पाटिलजी ने की। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन प्रा सूर्यकांत चव्हाण सर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रा.विजय गवली प्रा.संगीता तोड़कर, प्रा.अमोल लांडगे, इन्होंने सहयोग दिया।

vi. Conclusion, with Feedback on the Programme

विभाग के ओर से आयोजित व्याख्यान से छात्र लाभान्वित हुए .प्रमुख अतिथि से लक्ष्य प्राप्ति की दृष्टि से प्रश्न पूछकर एवं जवाब पाकर संतुष्ट हुए .भविष्य में भी ऐसे व्याख्यान लेने के सुझाव छात्रों ने दिये .

vii. Any Appendix If Necessary–

Date: ०८.०९.२०२१.

विभागप्रमुख

RAJARSHI SHAHU MAHAVIDYALAYA (AUTONOMOUS) LATUR

प्राचार्य

प्राचार्य
राजर्षी शाहू महाविद्यालय
(स्वायत्त), लातूर

C)Screenshot / Geotagged Photographs

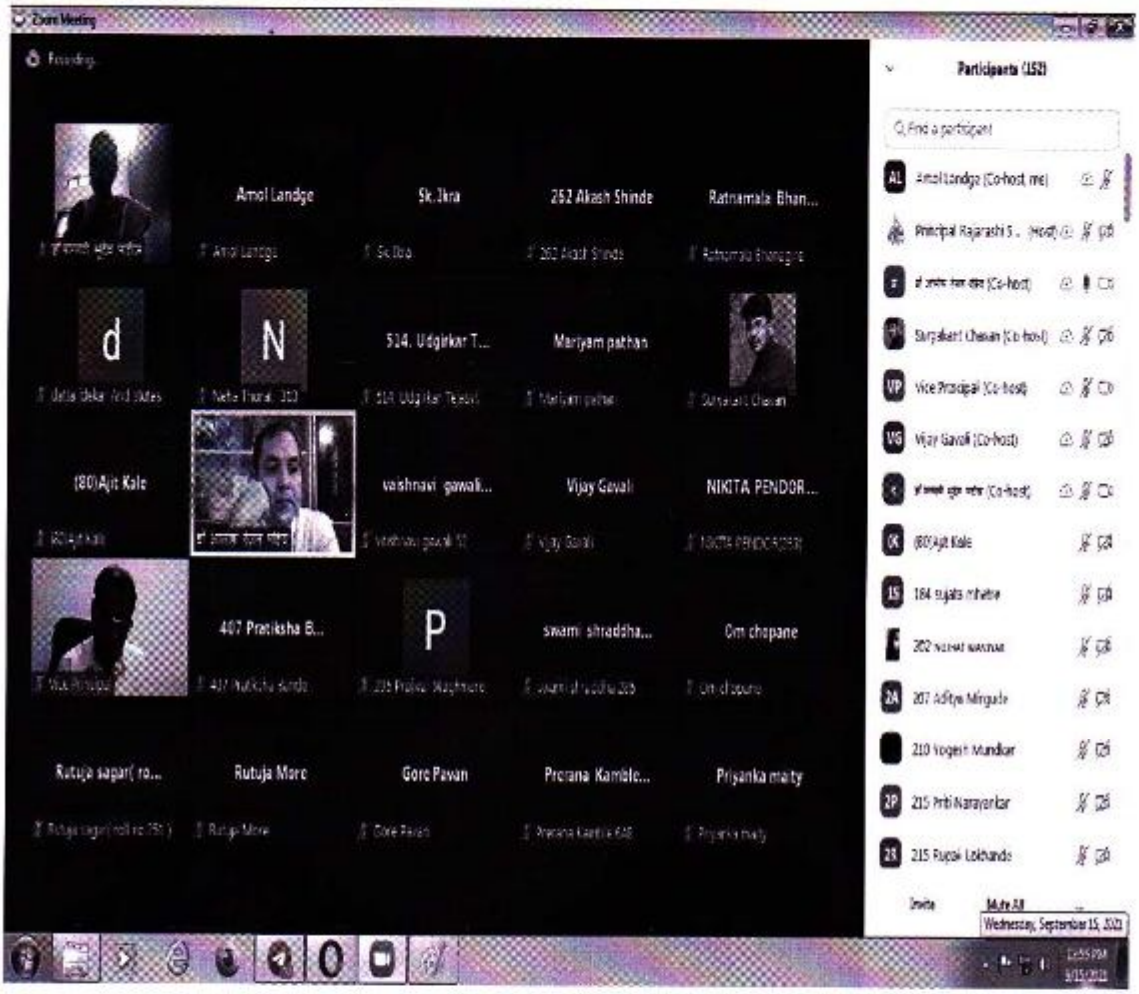

हिंदी में रोजगार की संभावनाएं " इस विषय पर अथिति व्याख्यान में रामानुजन कॉलेज , दिल्ली से प्रमुख अतिथि डॉ. अलोक रंजन पाण्डेय छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए . व्याख्यान के लिए उपस्थित महाविद्यालय के उप प्राचार्य एवं व्याख्यान के अध्यक्ष प्रा. सदाशिव शिंदे तथा सम्मिलित अन्य प्रतिभागी.

D) Link of Video of the programme if any (Video may be uploaded on college website/ YouTube, etc.)

Not Available

E)Brochure

F) Any Other Publicity Material (news reports, online publicity, etc) (hard and soft copies to be maintained by the department/ Unit).

विभागप्रमुख

RAJARSHI SHAHU MAHAVIDYALAYA (AUTONOMOUS) ★LATUR★

प्राचार्य

प्राचार्य
राजर्षी शाहू महाविद्यालय
(स्वायत्त), लातूर